सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

काव्यांश 1

विषय-

1. 'घेर घेर', 'ललित ललित' इत्यादि में पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार है।
2. 'घेर घेर घोर', 'कल्पना के' इत्यादि में अनुप्रास अलंकार है।
3. 'बाल कल्पना के-से पाले' में उपमा अलंकार है।
4. मानवीकरण अलंकार विद्यमान है।
5. संबोधन शैली में कविता का निर्माण किया गया है।
6. नाद सौंदर्य व्याप्त है।
7. तत्सम शब्दों का प्रयोग हुआ है।

काव्यांश 2

विषय-

1. 'विकल विकल' में पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार है।
2. 'उन्मन थे उन्मन' में अनुप्रास अलंकार है।
3. मानवीकरण अलंकार विद्यमान है।
4. संबोधन शैली में कविता का निर्माण किया गया है।
5. तत्सम शब्दों का प्रयोग हुआ है।

काव्यांश 3

विषय-

1. 'घर घर', 'पर पर', 'पाट पाट' इत्यादि में पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार है।
2. अतिशयोक्ति अलंकार का प्रयोग हुआ है।
3. तत्सम शब्दों का प्रयोग हुआ है।
4. वसंत का सुंदर रूप अभिलक्षित होता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in